Self respect

20-06-2014

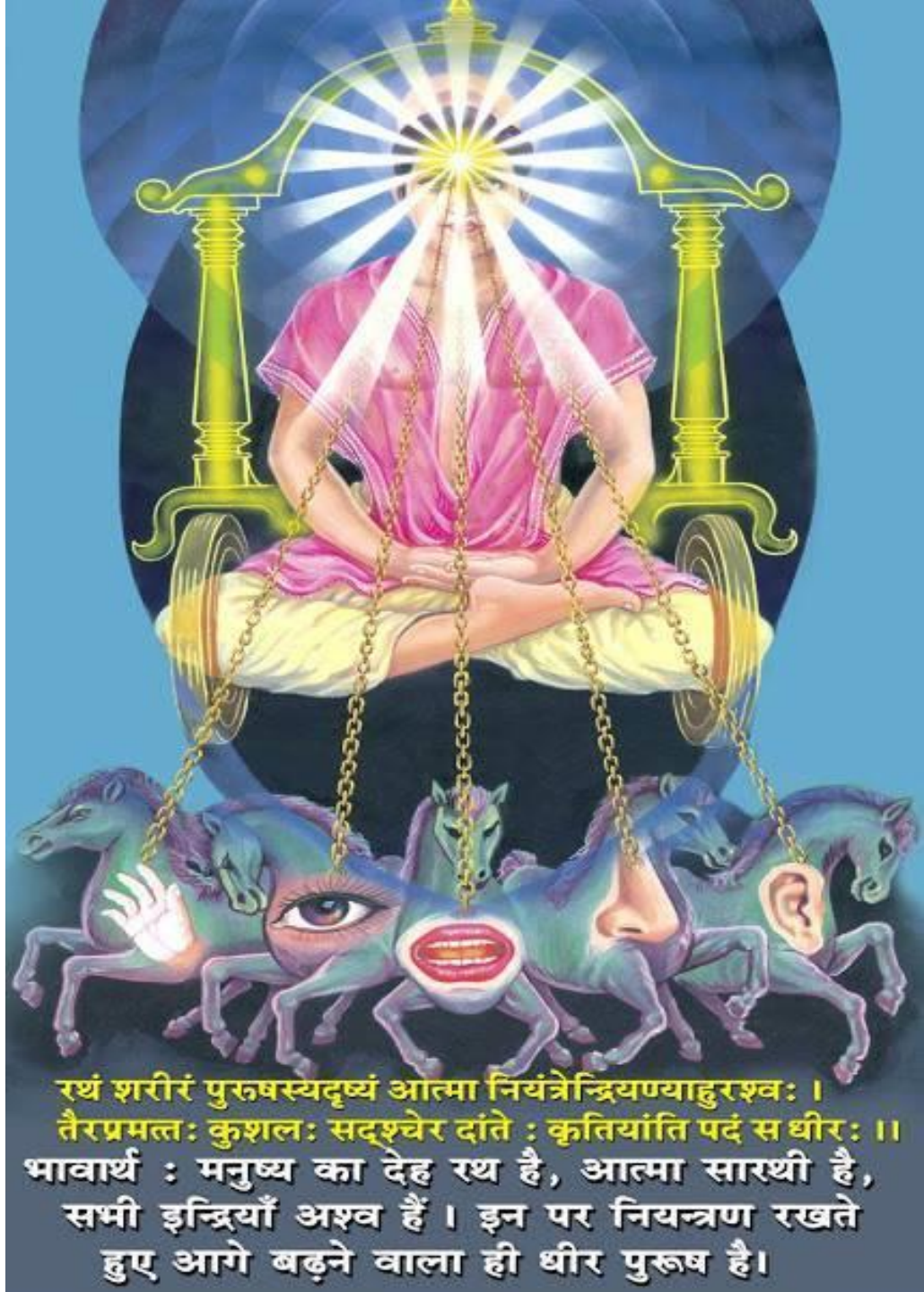

✓जैसे रूहानी बच्चों को अब रूहानी बाप प्यारा लगता है, वैसे रूहानी बाप को रूहानी बच्चे भी प्यारे लगते हैं क्योंकि श्रीमत पर सारे विश्व का कल्याण कर रहे हैं, कल्याणकारी सब प्यारे लगते हैं | तुम भी आपस में भाई-भाई हो, तो तुम भी जरुर एक-दो को प्यारे लगेंगे | बाहर वालों से इतना प्यार नहीं रहेगा, जितना बाप के बच्चों का आपस में होगा | तुम्हारा भी आपस में लव होना चाहिए |

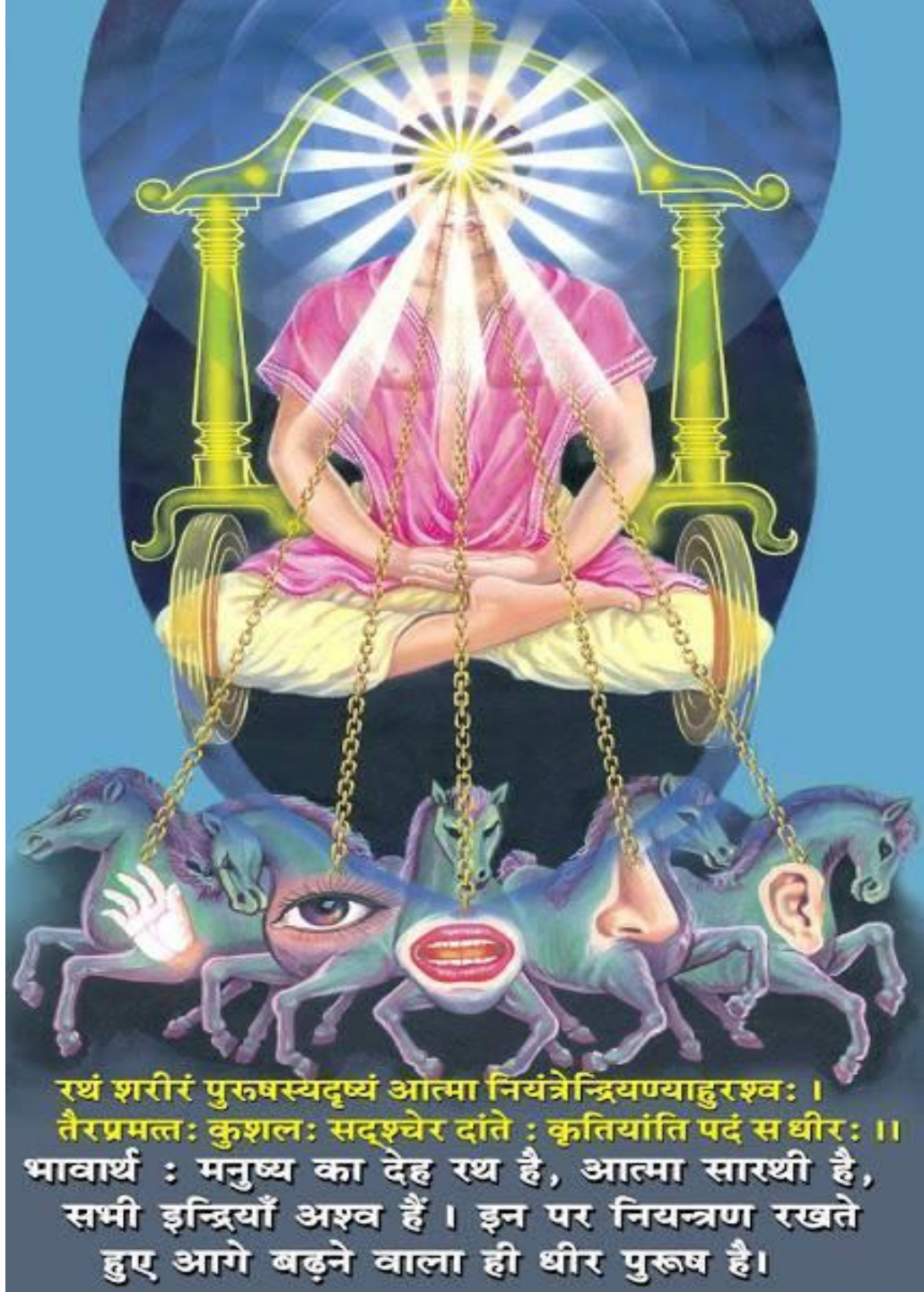

✓तुम भाई-भाई एक बाप की याद से सारे विश्व का कल्याण करते हो, अपना भी कल्याण करते हो तो भाइयों का भी कल्याण करना चाहिए इसलिए बाप देह-अभिमानी से देही-अभिमानी बना रहे हैं |

✓ प्रेम के सागर के बच्चे हो तो प्रेम से भरपूर गंगा बनना चाहिए |

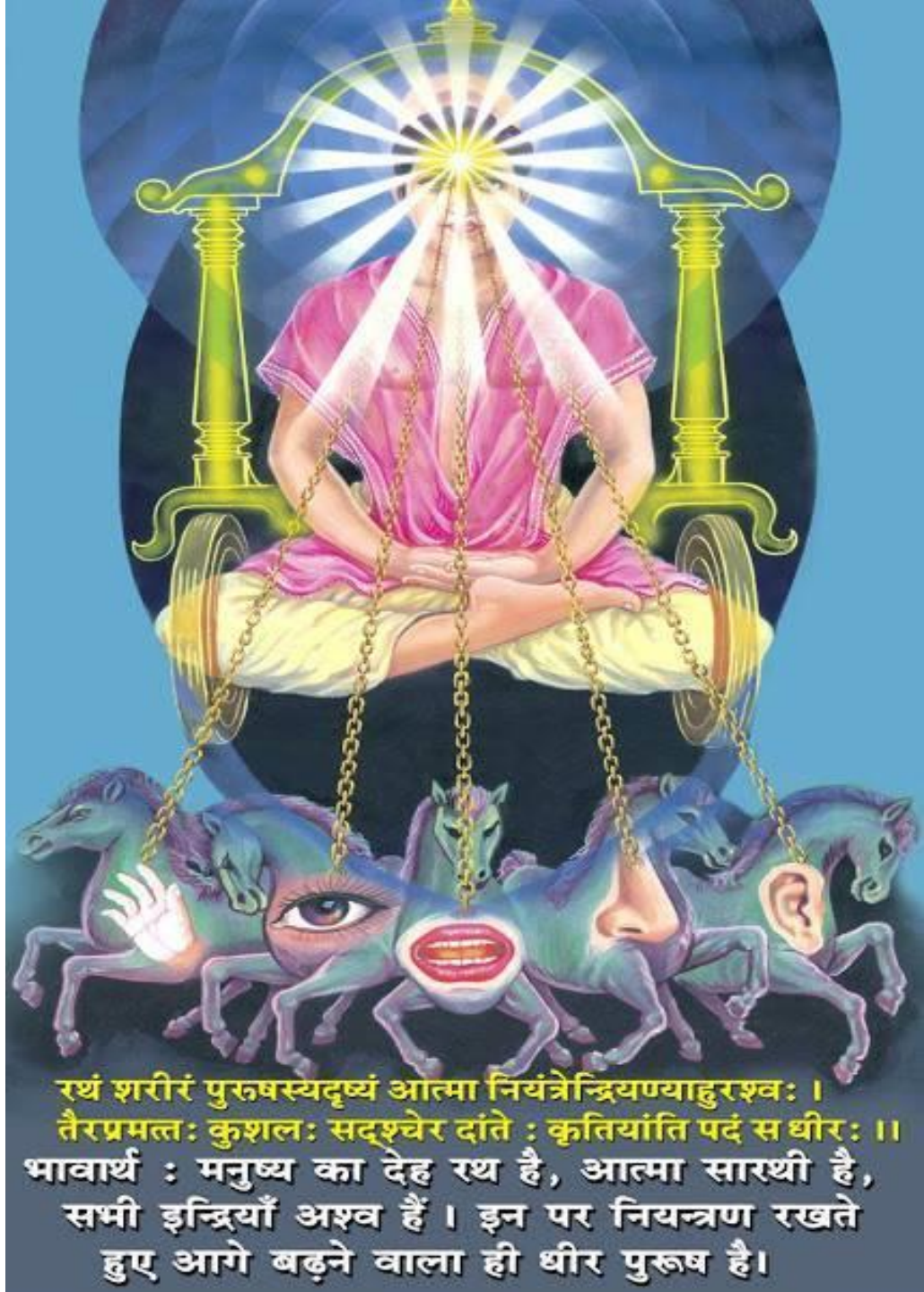

✓बाप प्रेम का सागर है तो बच्चों को भी खींचते हैं ना | तो तुमको भी प्रेम का सागर बनना है | बाप बच्चों को बहुत प्यार से समझाते हैं, अच्छी मत देते हैं | ईश्वरीय मत मिलने से तुम फूल बन जाते हो | सब गुण तुमको देते हैं | देवताओं में प्यार है ना | तो वह अवस्था तुम्हें यहाँ जमानी है | इस समय तुमको नॉलेज है फिर देवता बन गये तो नॉलेज नहीं रहेगी | वहाँ दैवी प्यार ही रहता है | तो बच्चों को अब दैवीगुण भी धारण करने हैं | अभी तुम पूज्य बनने लिए पुरुषार्थ कर रहे हो | अभी संगम पर हो |

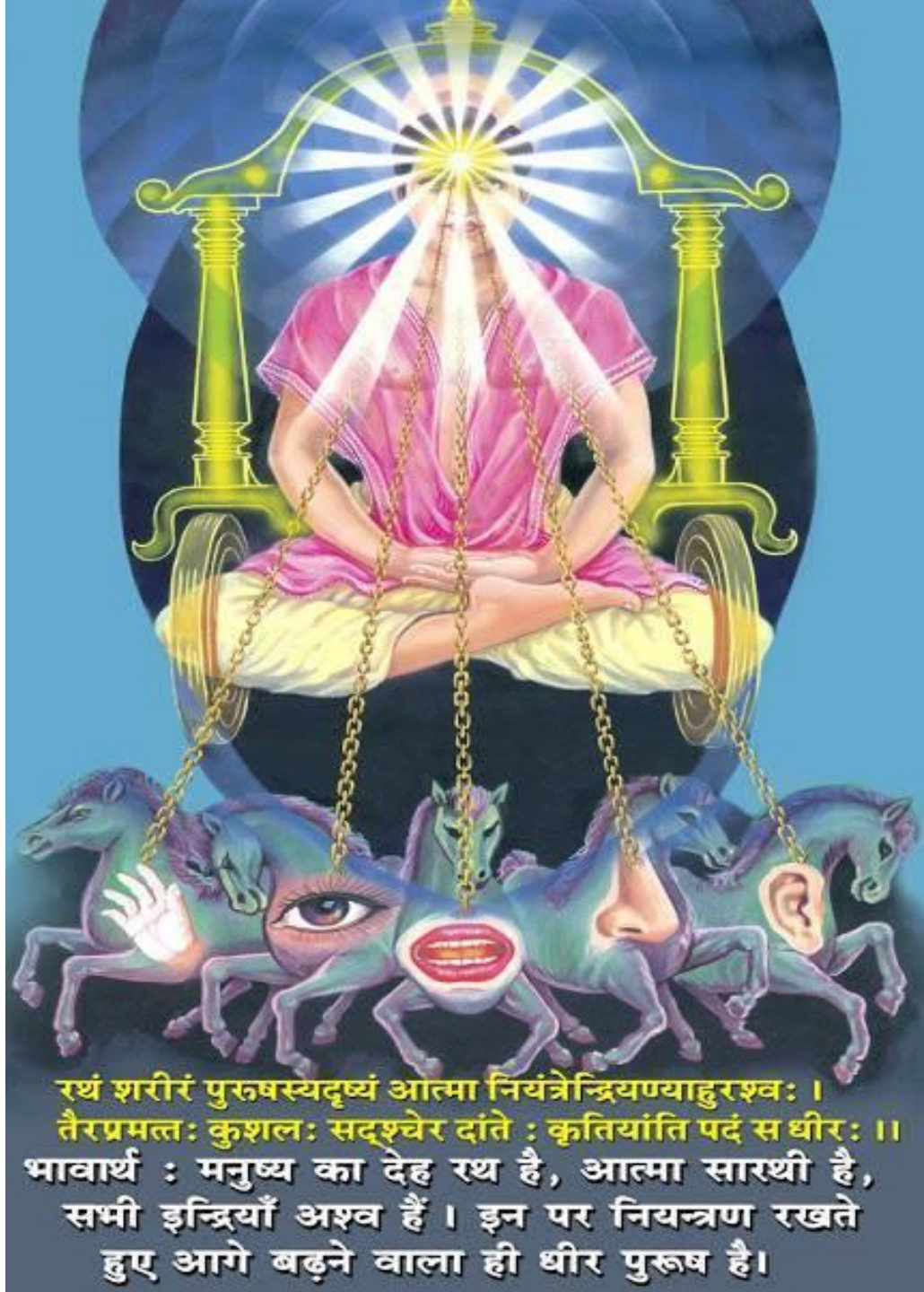

- ✓बाप को याद करना तो बहुत सहज है – अल्फ और बे | अल्फ माना बाप, बे बादशाही | तो बच्चों को नशा रहना चाहिए |
- ✓बाप की याद को एकदम सीने से लगा दो – बाबा, ओहो बाबा | बाबा-बाबा मुख से कहना भी नहीं है | अजपाजप चलता रहे | बाप की याद में, कर्मातीत अवस्था में शरीर छूटे तब ऊँच पद पा सकते हो |
- ✓हर एक का स्वधर्म है कि मैं आत्मा शान्त-स्वरूप हूँ फिर अपनी प्रकृति का धर्म है देवता धर्म, यह 33 करोड़ भारतवासी देवतायें हैं |

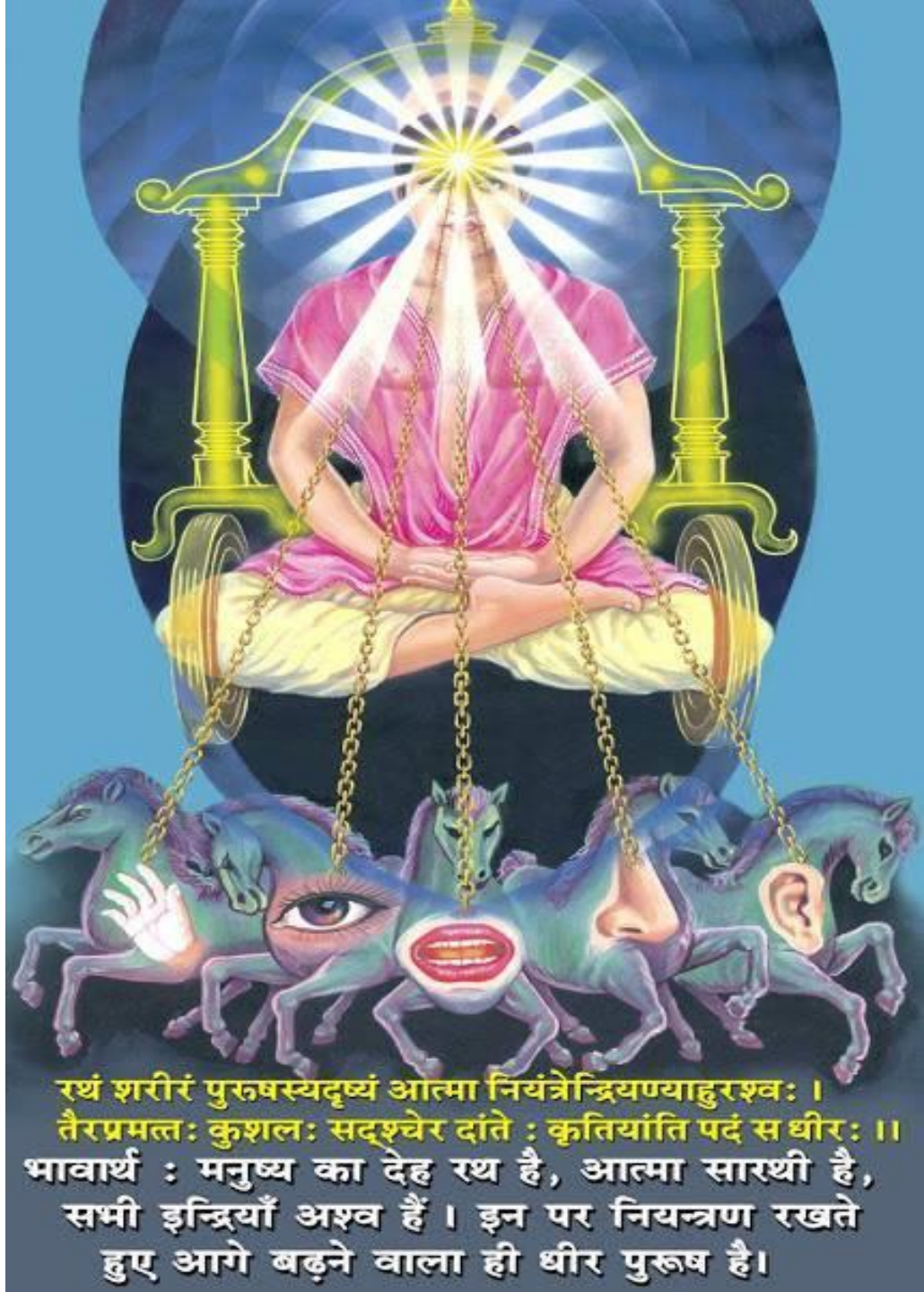

✓चतुरसुजान बाप से चतुराई करने के बजाए महसूसता शक्ति द्वारा सर्व पापों से मुक्त भव

✓ अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |